http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 47

प्रयागराज रविवार 03 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, कहा-

बिना भेदभाव सबको न्याय मिलेगा

गोरखपुर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की सभी समस्याओं के समाधान को प्रतिबद्ध है। किसी के साथ अन्याय या अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने अफसरों से कहा कि वे पूरी जिम्मेदारी से यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर शनिवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित

करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराएं। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोसेवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। इसी क्रम में शनिवार सुबह भी उन्होंने मंदिर की गोशाला में समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। गोसेवा के दौरान उन्होंने सितंबर में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा। दक्षिण भारत से लाए गए गोवंश की इस जोड़ी (एक बछिया और एक बछड़ा) का नामकरण भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही किया था। उन्होंने बछिया का नाम भवानी रखा है तो बछड़े का नाम भोलू। मुख्यमंत्री जब भी गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं, भवानी और भोलू का हाल जरूर जानते हैं। सीएम योगी के दुलार और स्नेह से भवानी और भोलू भी उनसे पूरी तरह अपनत्व भाव से जुड़ गए हैं। शनिवार को गोशाला में सभी गोवंश की सेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने भवानी और भोलू के साथ अतिरिक्त वक्त बिताया। उन्हें खूब दुलार कर, उनसे बातें कर, गुड़ और चारा खिलाया। सीएम योगी के स्नेह से ये गोवंश भाव विह्वल दिख रहे थे।

25 नवंबर से संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत, कई अहम बिलों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र इस महीने के अंत में 25 नवंबर को शुरू होने की संभावना है और 20 दिसंबर तक चल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार एक विशेष कार्यक्रम होगा, जिसमें सांसद एक दिन के लिए पुराने संसद भवन में मिल सकते हैं। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 26 नवंबर को लोकसभा और राज्यसभा का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। यह विशेष सत्र संभवतरू पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया जाएगा, जहां भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है और 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान पूर्ण रूप से लागू हुआ। दिलचस्प बात यह है कि सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी गठबंधन दोनों ही खुद को संविधान के रक्षक के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही एक-दूसरे को संविधान का दुश्मन बताने में कोई कसर नहीं छोड़ते।

पीएम मोदी ने यूनान के प्रधानमंत्री से बातचीत की

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस के साथ फोन पर बातचीत की तथा व्यापार, रक्षा और शिपिंग में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। श्री मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, "कल प्रधानमंत्री मित्सोताकिस के साथ सार्थक बातचीत हुई। भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जतायी गयी। हमारा लक्ष्य व्यापार, रक्षा, शिपिंग और कनेक्टिविटी में अपने सहयोग को गहरा करना है। यूनान यूरोपीय संघ के भीतर भी भारत के लिए एक मूल्यवान भागीदार है।" यूनान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि श्री मित्सोताकिस ने निकट भविष्य में भारत में मुंबई और बैंगलोर में अपने देश द्वारा दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने पर चर्चा की।

सत्तारूढ़ दलों को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा पुलिस वाहनों का इस्तेमाल : शरद पवार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवारों को फायदा पहुंचाने के लिए पुलिस वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने यहां गोविंदबाग में अपने आवास पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह इस मामले पर

सार्वजनिक तरीके से और बात करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि इससे उन अधिकारियों को ठेस पहुंचेगी, जिन्होंने यह जानकारी उनसे साझा की है। पवार के पोतों और पार्टी के उम्मीदवारों युगेंद्र पवार (बारामती) और रोहित पवार (करजात-जामखेड़) भी संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थे। पवार परिवार हर साल गोविंदबाग में मिलता है, लेकिन इस साल उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनका परिवार इसमें शामिल नहीं हुआ। पवार ने दावा किया, "हमें कई जिलों से, अधिकारियों से पता चला है कि सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवारों को चुनाव के लिए वित्तीय सहायता मिल रही है, पुलिस वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भी ऐसा कहा है।" पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की खासियत यह है कि इसके नेता विमान के जरिए ए और बी फॉर्म भेजते हैं।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शनिवार को मठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए।
अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर जिले के शांगस-लारनू इलाके में हलकान गली के पास यह मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों के साथ हुई इस मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं, जिनसें से एक स्थानीय और दूसरा विदेशी नागरिक है। अभी इस बात का पता नहीं चल पाया है कि वे किस आतंकवादी समूह के सदस्य थे। अधिकारी ने बताया कि इलाके में अब भी अभियान जारी है तथा आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।
अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर के खानयार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच एक और मुठभेड़ जारी है, अब तक दोनों ओर से किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है।

भारत ने दी कनाडा को रिश्ते बिगड़ने की चेतावनी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कनाडा के एक उप मंत्री द्वारा भारत सरकार के गृह मंत्री पर बिना सबूत आरोप लगाने और भारतीय राजनयिकों को धमकाने एवं उत्पीड़न पर कड़ा विरोध व्यक्त करते हुए कनाडा सरकार को चेतावनी दी कि उसकी इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर असर होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में कनाडा से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब में कहा, "हमने शुक्रवार को कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया था। उन्हें 29 अक्टूबर को ओटावा में सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्थायी समिति की कार्यवाही के संदर्भ में एक राजनयिक नोट सौंपा गया है। नोट में बताया गया है कि भारत सरकार, कनाडा सरकार में उप मंत्री डेविड मॉरिसन द्वारा समिति के समक्ष भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के बारे में किए गए बेतुके और निराधार संदर्भों का कड़े शब्दों में विरोध करती है।" श्री जायसवाल ने कहा कि वास्तव में, यह रहस्योद्घाटन केवल उस दृष्टिकोण की पुष्टि करता है जो भारत सरकार लंबे समय से वर्तमान कनाडाई सरकार के राजनीतिक एजेंडे और व्यवहार शैली के बारे में रखती है कि कनाडा के उच्च अधिकारी भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने की एक सुविचारित रणनीति के तहत जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में निराधार आक्षेप लीक करते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को स्पष्ट कर दिया गया है कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम होंगे। कनाडाई साइबर सुरक्षा रिपोर्ट में भारत को एक शत्रु देश के रूप में वर्गीकृत किये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "यह भारत पर हमला करने की कनाडाई रणनीति का एक और उदाहरण प्रतीत होता है। जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि वे भारत के खिलाफ वैश्विक धारणा को बदलना चाहते हैं। अन्य अवसरों की तरह, इस रिपोर्ट में भी भारत पर बिना किसी सबूत के आरोप लगाए गए हैं।" कनाडा की सरकार द्वारा भारतीय राजनयिकों एवं अन्य अधिकारियों पर निगरानी रखे जाने के बारे में पूछने पर श्री जायसवाल ने कहा, "हमारे कुछ कांसुलर अधिकारियों को हाल ही में कनाडाई सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि वे ऑडियो और वीडियो निगरानी में हैं और बने रहेंगे।

राजनाथ सिंह ने किया कानपुर में तोप कारखाने का दौरा

लखनऊ, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कानपुर स्थित एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) की इकाई, फील्ड गन कारखाने का दौरा कर महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं का जायजा लिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस कारखाने को टैंक टी-90 और धनुष तोप सहित विभिन्न आर्टिलरी गन तथा टैंकों की बैरल और ब्रीच असेंबली बनाने में विशेषज्ञता हासिल है। श्री सिंह ने महत्वपूर्ण स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का जायजा लेने के लिए कारखाने के हीट ट्रीटमेंट और न्यू असेंबली शॉप सहित प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत भी थे। शॉप फ्लोर के दौरे के पश्चात रक्षा मंत्री को कानपुर स्थित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के तीन उपक्रमों (डीपीएसयू) - एडब्ल्यूईआईएल, ट्रूप कम्फर्ट्स इंडिया लिमिटेड, ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड - के मुख्य प्रबंध निदेशक

(सीएमडी) और कानपुर स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के निदेशक द्वारा जानकारी दी गयी। निदेशक ने रक्षा मंत्री को उत्पाद प्रोफाइल, बड़ी परियोजनाओं, अनुसंधान एवं विकास प्रयासों और रक्षा सेवाओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए किए जा रहे आधुनिकीकरण संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। टीसीएल के मुख्य उत्पाद लड़ाकू वर्दी, बैलिस्टिक सुरक्षात्मक गियर, अत्यधिक ठंड से बचने वाले कपड़े और बड़ी ऊंचाई के लिए टेंटेज हैं, जबकि जीआईएल के पास भारत में पैराशूट की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी उत्पादन इकाई है।

आतंकवादियों को मारना नहीं चाहिए... फारूक अब्दुल्ला के बयान पर बवाल

भाजपा ने उठाए सवाल, शरद पवार ने किया बचाव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल के आतंकवादी हमलों की जांच होनी चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि क्या सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को पकड़ा जाना चाहिए, मारा नहीं जाना चाहिए और हमलों के पीछे कौन है, इसकी तह तक जाने के लिए उनसे पूछताछ की जानी चाहिए। अब्दुल्ला की टिप्पणी इस सवाल के जवाब में थी कि क्या हाल ही में बडगाम आतंकी हमले सहित जम्मू-कश्मीर में हर आतंकवादी हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया जाना चाहिए।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इस बारे में कोई सवाल ही नहीं है। मैं कहूंगा कि इसकी जांच होनी चाहिए। उन्हें (आतंकवादियों को) मारा नहीं जाना चाहिए, उन्हें पकड़ा जाना चाहिए और पूछा जाना चाहिए कि उनके पीछे कौन है। हमें जांच करनी चाहिए कि क्या कोई एजेंसी है जो उमर अब्दुल्ला को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस ने हाल ही में संपन्न जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में निर्णायक जीत हासिल की थी। पार्टी ने 90 में से 42 सीटें जीतीं, सहयोगी कांग्रेस की झोली में छह सीटें आईं और उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। फारूक अब्दुल्ला ने सवाल किया कि क्या आतंकवादी हमलों में वृद्धि "जम्मू-कश्मीर सरकार को अस्थिर करने" के लिए है। फारूक अब्दुल्ला के इस बयान पर भाजपा हमलावर हो गई है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने संवेदनशील मुद्दे पर कुछ लोग देश को प्राथमिकता देने की बजाय राजनीति, परिवार और वोट बैंक को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए या आतंकवाद के प्रायोजकों को बचाने के लिए भारतीय सेना, भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाना फारूक अब्दुल्ला को शोभा नहीं देता।

जम्मू-कश्मीर बीजेपी अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों को हमारा पूरा समर्थन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला जानते हैं कि यह आतंकवाद पाकिस्तान से आ रहा है। यह एक सर्वविदित तथ्य है।

भारत ने कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया

अमित शाह के खिलाफ लगाए गए बेतुके आरोपों पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। कनाडा के मंत्री की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर भारत ने नाराजगी जताई है। भारत ने कनाडाई अधिकारी को तलब किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने कल कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया। भारत सरकार कनाडा सरकार में मंत्री डेविड मॉरिसन की ओर से समिति के समक्ष भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के बारे में किए गए बेतुके और निराधार आरोपों का सबसे कड़े शब्दों में विरोध करती है। उन्होंने कहा, 'यह पहले ही साफ हो चुका है कि उच्च कनाडाई अधिकारी जानबूझकर भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने की एक सचेत रणनीति के तहत

अंतरराष्ट्रीय मीडिया को निराधार आरोप लीक करते हैं। इससे वह दृष्टिकोण साबित होता है, जो भारत सरकार ने वर्तमान कनाडाई सरकार के राजनीतिक एजेंडे और व्यवहार पैटर्न के बारे में लंबे समय से रखा है। इस तरह की गैरजिम्मेदाराना हरकतों के द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम होंगे। रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमारे कुछ वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को हाल ही में कनाडा सरकार की ओर से सूचित किया गया था कि वे अब भी ऑडियो और वीडियो के जरिए निगरानी में हैं। उनकी बातचीत पर भी नजर रखी जा रही है। हमने कनाडा सरकार के सामने औपचारिक रूप से विरोध जताया है, क्योंकि हम ऐसे कामों को प्रासंगिक राजनयिक और वाणिज्य दूतावास सम्मेलनों का घोर उल्लंघन मानते हैं। तकनीकी पहलुओं का हवाला देकर कनाडा सरकार इस तथ्य को उचित नहीं ठहरा सकती कि वह उत्पीड़न और धमकी में लिप्त है। हमारे राजनयिक और वाणिज्य दूतावास कर्मी पहले से ही अलगाववाद और हिंसा के माहौल में काम कर रहे हैं। कनाडा सरकार का कृत्य स्थिति को और खराब कर रहे हैं। यह स्थापित राजनयिक मानदंडों और प्रथाओं के साथ असंगत है। कनाडा के पार्लियामेंट हिल में दिवाली समारोह रद्द होने की खबरों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने इस संबंध में कुछ रिपोर्ट देखी हैं।

नया नाम

खबरों के मुताबिक मोदी के एलान के बाद टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, श्सेकुलरय्य कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमन सिविल कोड को नया नाम दिया। उसे सेकुलर कोड कहा। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से उन्होंने पर्सनल लॉ (जिसे उन्होंने कम्यूनल कोड कहा) कि जगह सेकुलर कोड लागू करने का इरादा जताया। यह बात उन्होंने लोकसभा चुनाव के पहले भी कही थी। तब लेकिन तब बात अलग थी। तब लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी का अपना बहुमत था और अभी भाजपा का ष्चार सौ पारष् का उत्साह आसमान में था। आम चुनाव में भाजपा के पर कुतर गए।लेकिन उससे मोदी पर कोई फर्क नहीं पड़ा। पिछले ढाई महीने से उनका सारा प्रयास यही संदेश देने का है कि कुछ भी नहीं बदला है। संभवतरू इसीलिए लाल किले से उन्होंने इस विभाजक मुद्दे को अपने भाषण का थीम बनाया। परंतु अब उनके सामने बदली हुई हकीकत है। मोदी के एलान के बाद सत्ताधारी एनडीए के घटक दल तेलुगू देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, श्सेकुलरय्य कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी। जनता दल (यू) में भी अशांति दिखी।नतीजतन, 16 अगस्त को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर एनडीए की बैठक बुलानी पड़ी। इसमें यह फैसला भी हुआ कि हर महीने एनडीए की समन्वय समिति की बैठक होगी और नीतिगत फैसले उसमें ही लिए जाएंगे। फिलहाल, इसका अर्थ यह है कि मोदी ने जो एलान किया, उसके प्रचार से भाजपा को जो सियासी फायदा मिलना हो मिले, लेकिन उससे संबंधित विधेयक को पारित कराना आसान नहीं होगा। इससे यह संकेत ग्रहण किया जा सकता है कि भाजपा की अब वह हैसियत नहीं है कि पिछली लोकसभा की तरह बिना अन्य किसी मत का ख्याल किए विवादास्पद विध ेयकों को आगे बढ़ा दे। इसके लिए उसे– कम से कम अपने गठबंधन के भीतर न्यूनतम सहमति बनानी होगी। टीडीपी और जेडी–यू वक्फ बोर्ड विधेयक तक चुप रहे, लेकिन अब उन्हें अपनी सियासत के लिए जोखिम पैदा होता दिखने लगा है। अब देखना होगा कि मोदी–शाह का नेतृत्व इस स्थिति को भी मैनेज कर लेने में कामयाब होता है?

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

भारतीय कृषि का अमृतकाल

शिवराज सिंह चौहान

कृषि विकास और किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अन्न के माध्यम से हमारे जीवन संचालन के सूत्रधार अन्नदाता के जीवन में सुख–समृद्धि लाना हमारा संकल्प है। इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे। किसान की आय बढ़ाने के लिए हमने छह सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम दिलाना, प्राकृतिक आपदा में राहत की उचित राशि दिलाना, कृषि का विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना इसके अहम पहलू हैं। उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सबसे जरूरी हैं अच्छे बीज, जो कम पानी और विपरीत मौसम में भी बेहतर उत्पादन में सक्षम हो सकें। ऐसे बीजों की 109 नई किस्मों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र और किसानों को समर्पित किया है।

बीते 10 वर्षों में कृषि परिदृश्य तेजी से बदला है। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन जैसी समस्याओं के बीच उत्पादकता बढ़ाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए अगले पांच वर्षों में हमारा लक्ष्य जलवायु अनुकूल फसलों की 1500 नई किस्में तैयार करने का है। वर्तमान में विज्ञान से ही किसानों का कल्याण संभव है। मुझे अपने कृषि विज्ञानियों पर गर्व है जो जलवायु अनुकूल किस्में तैयार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि में किए जा रहे नवाचारों से कृषि एवं किसान कल्याण सुनिश्चित होगा।

किसान होने के नाते मैं भलीभांति समझता हूं कि बढ़िया उत्पादन के लिए अच्छे बीज कितने आवश्यक हैं। अगर बीज उन्नत और मिट्टी एवं मौसम की प्रकृति के अनुकूल होंगे तो उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मोदी जी ने यह समझा और व्यापक विजन के साथ इस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया। विविधता भारतीय कृषि की विशेषता है। यहां कुछ दूरी के अंतराल पर ही खेती का मिजाज बदल जाता है। जैसे मैदानी खेती अलग है तो पहाड़ों की खेती अलग। इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं को ध्यान में रखते हुए फसलों की 109 नई किस्में जारी की गई हैं। इनमें खेती की 69 किस्में और बागवानी की 40 किस्में राष्ट्र को समर्पित कर दी गई हैं। भारत को ग्लोबल न्यूट्रिशन हब बनाने और श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए मोदी सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है। हमारा संकल्प है कि किसान के परिश्रम का उचित मूल्यांकन हो और उन्हें फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कर रहे हैं। किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में है और उत्पादन बढ़ाने के साथ–साथ भारत की चिंता भी रही है कि मानव शरीर और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित उत्पादन हो। आज भारत नई हरित क्रांति का साक्षी बन रहा है। हमारे अन्नदाता ऊर्जादाता तथा ईंधनदाता भी बन रहे हैं। मोदी जी के प्रयासों से खेती के साथ ही पशुपालन, मधुमक्खी पालन, औषधीय खेती, फूलों–फलों की खेती सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों को सशक्त बनाया जा रहा है।पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता में कृषि और किसान रहे ही नहीं। जबकि

मोदी जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2013–14 में कृषि मंत्रालय का बजट 27 हजार 663 करोड़ रुपये था जो 2024–25 में बढ़कर 1 लाख 32 हजार 470 करोड़ रुपये हो गया है। यह बजट सिर्फ कृषि विभाग का है। कृषि से संबद्ध क्षेत्रों और फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए अलग बजट है। मोदी सरकार किसानों को यूरिया और डीएपी सस्ती दरों पर उपलब्ध करा रही है। यूरिया पर सरकार किसानों को करीब 2,100 रुपये सब्सिडी जबकि डीएपी के एक बैग पर 1083 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसान स्वावलंबी और सशक्त हुआ है। फसलों के नुकसान पर भी फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच है।

मोदी सरकार में किसान को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। उनकी मुश्किलें कम करे और मुनाफा बढ़ाए। इसी कड़ी में एक लाख करोड़ रुपये की एग्री इन्फ्रा फंड के जरिये कृषि से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। पूरे देश में 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र किसान और विज्ञान को जोड़ रहे हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के जरिये टेक्नोलाजी से दूरदराज की हमारी माताओं–बहनों को भी जोड़ा जा रहा है। कृषि सखियों को प्रशिक्षण देने के पहले चरण में अब तक 35 हजार कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।मोदी जी का विजन है कि भारत कृषि में आत्मनिर्भर बने। इस दिशा में भी रणनीति बनाकर कार्य किया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में हम 18,000 करोड़ रुपये की लागत से 100 निर्यात केंद्रित बागवानी क्लस्टर बनाएंगे। किसानों के लिए मंडी तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 1500 से अधिक मंडियों का एकीकरण किया जाएगा। साथ ही 6,800 करोड़ रुपये की लागत से तिलहन मिशन की शुरुआत कर रहे हैं। सब्जी उत्पादन क्लस्टर बनाने की भी तैयारी है। इससे छोटे किसानों को सब्जियों–फल और अन्य उपज के लिए नए बाजार और बेहतर दाम मिलेंगे। सरकार ने यह संकल्प भी लिया है कि दलहन फसलों में तुअर, उड़द और मसूर की पूरी खरीद एमएसपी पर की जाएगी। यजुर्वेद में उल्लिखित है श्अन्नानां पतये नमरू क्षेत्राणां पतये नमरूश अर्थात अन्न के स्वामी और खेतों के स्वामी अन्नदाताओं को नमन। कृषि पराशर में भी उल्लेख है – अन्न ही प्राण है, अन्न ही बल है एवं अन्न ही समस्त प्रयोजनों का साधन है। किसानों के बिना इस देश का अस्तित्व ही अधूरा है। इसलिए हमारे प्राचीन शास्त्रों में भी किसानों को प्रणाम किया गया है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसका आत्मा। हमारे लिए किसान की सेवा भगवान की पूजा है। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के दीर्घकालिक विजन तथा सर्वांगीण, सर्वस्पर्शी, समावेशी और समग्र विकास वाले सोच के साथ भारत एवं भारतीय कृषि निरंतर आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे किसान भाई–बहन आजादी के अमृतकाल में आत्मनिर्भर भी बनेंगे और समृद्ध संपन्न होने के साथ–साथ देश के अन्न भंडार भरते रहेंगे ।

देश में सत्ता परिवर्तन

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब–जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब–तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता दिखाई दिया है।

लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत पिछले लगभग 2000 वर्षो के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षो के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा और इसे श्सोने की चिड़ियाश्च कहा जाता रहा। 712 ईस्वी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था परंतु 1750 ईस्वीं में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था।

आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा, बल्कि भारत की संस्कृति पर भी गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250ध्300 वर्षो तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूटखसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था।

आक्रांताओं ने जोरजबरदस्ती एवं मारकाट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज पुनरू इस प्रकार के प्रयास किए

जा रहे हैं कि हिन्दू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न–भिन्न किया जाए। ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिन्दू हैं ही नहीं, बल्कि सिख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि–आदि। जातियों के आधार पर जन गणना की मांग की जा रही है ताकि समस्त सुविधाओं को हिन्दू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके जिससे अंततरू देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को पुनरू गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा–फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक बार पुनरू भारत ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है जिसमें आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति के सामने बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास हो रहे हैं। देश में निवासरत 80 प्रतिशत आबादी हिन्दू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिन्दू समाज में व्याप्त समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देशप्रेम का भाव, स्व–समर्पण का भाव कूट–कूट कर भरा है। कहा भी जाता है कि हिन्दू जीवन दर्शन ही पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिन्दू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं, और उनकी पूजा भी करते हैं।

हिन्दू संस्कारों में पला–बढ़ा नागरिक सहिष्णु होता है। इसी के चलते कहा जा रहा है कि कई देशों में बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिन्दू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिन्दू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गलत काम हो ही नहीं सकता। कई देशों के बीच कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, वे आपस में लड़ रहे हैं, अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन–रूस के बीच युद्ध एवं हमास– इस्त्रइल युद्ध इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है।

इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए शांति स्थापित करने एवं आर्थिक विकास को गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से आज हिन्दू सनातन संस्कृति के संस्कारों को आज पूरे विश्व में फैलाने की महती आवश्यकता है।

मानव विकास जीरो,भौतिक विकास हीरो

–भूपेन्द्र गुप्ता

अस्पताल में अपने पुत्र के इलाज के लिए गए मेरे एक मित्र ने मुझे बताया कि बेटे के बेड के सामने ही दो बच्चे अपने पिताजी का भी इलाज आयुष्मान कार्ड से करा रहे थे और परेशान थे। इसी परेशानी में जब मित्र ने उनसे बातचीत शुरू की और पूछा कि बेटा कहां तक पढ़ाई की है?तो उन्होंने बताया कि वे पढ़ाई छोड़ चुके हैं ।मेरे मित्र ने आश्चर्य से पूछा कि क्यों ?तो उसने कहा कि उसके कई मित्र पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद भी 15 हजार की नौकरी कर रहे हैं, इतना पैसा तो मजदूरी करके भी कमाया जा सकता है फिर पढ़ने की क्या जरूरत है ? यह धारणा कितने प्रतिशत बच्चों में घर कर चुकी है यह तो कहना मुश्किल है लेकिन सरकारी आंकड़ों में मध्य प्रदेश के कॉलेज में लाखों खाली पड़ी सीटें संकेत जरूर देती हैं कि यह सोच और यह धारणा धीरे–धीरे समाज में पैर पसार रही है। पैसा ही विकास का मापदंड बन गया है अगर आप पेट भर पा रहे हैं तो आप सफल हैं ।संतोष का यह स्तर किसी भी समाज को आगे बढ़ाने की बजाय किसी खाई खंदक की तरफ भी ले जा सकता है। शिक्षा समझ और रोजगार पैदा कर सकती है इन दोनों चीजों पर शासकीय नीतियों ने भरोसा कम कर दिया है अब उदर पोषण ही भरण पोषण बन रहा है।

देश की सल्तनत में भी यह विचार निरंतर घर करता जा रहा है कि भौतिक विकास ही दर्शनीय विकास है और विकास के नाम पर अगर हमें लोकप्रियता अर्जित करना है तो बड़ी–बड़ी अट्टालिकाएं, भवन और सड़कों का विकास ही विकास के प्रयासों का वास्तविक प्रदर्शन हो सकता है।यही कारण है कि अस्पतालों के नाम पर भवन बन रहे हैं लेकिन डाक्टर नहीं हैं।डेढ–दो हजार करोड़ के मेडीकल कालेज बन रहे हैं किंतु पढाने वाले दो दर्जन प्रोफेसर भी नहीं हैं।उपचार के लिये 1500 डाक्टरों की भी भर्ती नहीं हो पा रही है जबकि मध्य प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 4 हजार डाक्टर तैयार होते हैं।कालेज खोले जा रहे हैं किंतु अतिथियों के भरोसे पढाई चल रही है।इंजीनियरिंग कालेजों में हजारों सीट खाली हैं।मानव विकास को उपेक्षित करके भौतिक विकास केवल भ्रष्टाचार और पिलफिरेज का ही माडल बन सकता है,वह स्थाई और सर्वस्पर्शी विकास नहीं बन सकता न ही ऐसा विकास मानव जीवन में बदलाव ला सकता है।सरकार के अंदर बैठे हुए योजनाकार भी लगभग इसी धारणा के बंधक प्रतीत होते हैं। देश में उच्च शिक्षा तक आने के लिए मजबूत प्राइमरी शिक्षा आवश्यक है वहां से निकलकर ही छात्र उच्च शिक्षा में हाथ आजमा सकता है लेकिन योजनाकारों के मन में यह सवाल ही नहीं उठता कि देश में 2014 में जो 12 लाख 4 हजार शालायें थीं वे घटकर 2022 में 11 लाख 28 हजार कैसे रह गई? जनसंख्या बढ़ रही है और स्कूलें कम हो रही हैं। क्या यह सुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्य की पूर्ति करता है?देश भर में 2018–19 की रपट के मुताबिक बंद की गईं कुल 60371 स्कूलों में अकेले मध्य प्रदेश में ही बंद की गईं 29361 शालायें हैं।

क्या इतने बंद स्कूलों की भरपाई 50–55 सीएम राईज स्कूल कर सकते हैं?शायद नहीं। किंतु एक भ्रम जरूर पैदा कर सकते हैं कि कुछ किया जा रहा है।ऐसे अंधेरे भरे वातावरण में कुछ लोग सामुदायिक जिम्मवारी की रोशनी लेकर भी चलते हैं किंतु उनके प्रयास शासकीय तंत्र के पुरुस्कारों का साधन तो बन जाते हैं,किंतु मिशन नहीं बन पाते।मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले का एक गांव बघवार भी है जहां हर बच्चा शिक्षित है। सौ प्रतिशत साक्षरता।गांव के सभी लोग मिलकर सीवेज सिस्टम गांव में बनवा चुके हैं।मोदी जी के अभियान के कई साल पहले वे अपने गांव को ओडीएफ (खुले में शौच से मुक्त)कर चुके हैं।प्रदेश के सर्वाधिक वायो गैस प्लांट भी इसी गांव में हैं।जो गांव को कुकिंग गैस और बिजली की आपूर्ति करते हैं।डाक्टर डेफिशिएंट मेडिकल कालेज बनाने वाले फैसलाकार और पढ़ाई से क्या होता है सोचने वाले उन दोनों युवाओं को बघवार जैसे गांव रोशनी दिखाते हैं मगर अंधेरे में ही रहने का फैसला कर चुका समाज उसे पहचाने तो सही?

धान क्रय केन्द्रों पर किसानों को परेशान न करें: डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में धान खरीद प्रशिक्षण/कार्यशाला सम्पन्न

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में धान खरीद प्रशिक्षण/कार्यशाला सम्पन्न हुई। बैठक में खाद्य एवं विपणन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में 01 नवम्बर 2024 से धान की खरीद प्रारम्भ होगी जो 28 फरवरी 2025 तक खरीद की जायेगी। धान की खरीद प्रातः 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक की जायेगी, धान क्रय केन्द्र शासकीय अवकाशों में भी खुले रहेगें। जनपद में 52 धान क्रय केन्द्र खोले गये है जिनमें खाद्य विभाग के 18, पी0सी0एफ0 के 20, पी0सी0यू0 के 13 व भारतीय खाद्य निगम के 01 सम्मिलित है। खरीफ विपणन वर्ष 2024–25 हेतु धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य रूपये 2300 प्रति कुन्तल (कॉमन धान) एवं रूपये 2320 प्रति कुन्तल (ग्रेड ए) निर्धारित किया गया है। जनपद में धान क्रय का लक्ष्य 85000 मी0 टन निर्धारित की गयी है। दिनांक 28 अक्टूबर तक 1732 कृषकों द्वारा धान विक्रय हेतु विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कराया जा चुका है, 60 कृषकों का सत्यापन कार्य कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने समस्त धान क्रय केन्द्रों के प्रभारियों से जानकारी ली कि धान केन्द्रों पर इलेक्ट्रानिक कांटा, नमी मापक यंत्र, छनना, पंखा आदि सारे उपकरण है या नही तो बताया गया कि सभी उपकरण उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समस्त धान क्रय केन्द्रो पर बैनर, वाल पेन्टिंग करायी जाये जिससे लोगों को धान खरीद की जानकारी मिल सके। सभी धान क्रय केन्द्रों पर बोरो की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था, किसानों हेतु पानी की उपलब्धता, बारिश से बचाव हेतु तिरपाल/पन्नी की व्यवस्था भी करा ली जाये। केन्द्र पर धान खरीद आनलाइन टोकन व्यवस्था के अनुसार किया जाये। जिलाधिकारी ने धान क्रय केन्द्र प्रभारियों को कड़े निर्देश देते हुये कहा कि यदि क्रय केन्द्रों पर किसानों को किसी भी तरह से परेशान किया जाता है या उन्हें लौटाया जाता है तो सम्बन्धित केन्द्र प्रभारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, जिला खाद्य विपणन अधिकारी जितेन्द्र यादव, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार व अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं धान क्रय केन्द्र प्रभारी उपस्थित रहे।

आयुष विभाग ने निकाली जनजागरण रैली—आयुष मंत्रालय एवं निदेशक आयुर्वेद सेवाएं लखनऊ के निर्देश पर रन फॉर आयुर्वेद का आयोजन जगत पाल रंगनाथ द्विवेदी इंटर कॉलेज कोहडौर में किया गया, जिसमें आयुष विभाग के चिकित्सकों ने छात्रों के साथ रैली निकाल कर आयुष चिकित्सा के बारे में लोगों को जागरूक किया। इस बार आयुर्वेद दिवस वैश्विक स्तर पर ''वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार'' थीम के साथ मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। छात्र छात्राओं द्वारा 'आयुर्वेद एवं हमारा स्वास्थ्य' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. त्रिभुवन राम ने बताया कि इस दिवस का उद्देश्य जन कल्याण के लिए आयुर्वेद को सशक्त चिकित्सा प्रणाली के रूप में वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना है। चिकित्साधिकारी डा. रंगनाथ शुक्ल ने बताया कि आयुर्वेद दिवस वर्ष 2016 से प्रतिवर्ष धनतेरस के अवसर पर मनाया जाता है, आज आयुर्वेद दिवस ने वैश्विक महत्व प्राप्त कर लिया है। डा. आशीष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आयुष मंत्रालय ''आई सपोर्ट आयुर्वेद'' अभियान के माध्यम से आयुर्वेद के प्रति 250 मिलियन से अधिक लोगों का समर्थन प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा. अवनीश पाण्डेय ने बताया कि आयुर्वेद दिवस समारोह के माध्यम से गैर संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धावस्था देखभाल सहित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों पर जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य धवल द्विवेदी ने आयुष विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना काल के बाद आयुर्वेद जनमानस की पहली पसंद बन गया है। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक, स्टॉफ एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

चोरी के सामान के साथ पिता–पुत्र गिरफ्तार

चित्रकूट(आरएनएस)। राजापुर पुलिस ने नहर में हुई मोटर स्टार्टर चोरी के मामले का खुलासा कर दिया है। साथ ही आरोपी पिता–पुत्र को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। राजापुर थाना प्रभारी मनोज कुमार चौधरी ने बताया कि बीती 27 अक्टूबर की रात्रि चिल्ली राकस पम्प कैनाल से एटीएस स्टार्टर मोटर की चोरी कर ली गयी थी। जिसके सम्बन्ध में अवर अभियन्ता पम्प कैनाल जयप्रकाश द्वारा दी गई सूचना के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई थी। जिसके बाद बीते मंगलवार की रात्रि उपनिरीक्षक इमरान खान, कन्हैया बक्स सिंह, आरक्षी प्रकाश मिश्रा, लवकुश यादव, अजय मिश्रा द्वारा चिल्ली राकस निवासी शिवज्ञानी व उसके बेटे दीपेश निषाद को गिरफ्तार किया गया। जिनसे पम्प कैनाल की एटीएस स्टार्टर मोटर बरामद की गई। पूंछतांछ करने पर आरोपियों ने बताया कि इन दोनों ने बीती 27 अक्टूबर की रात्रि को एटीएस स्टार्टर की मोटर खोलकर चोरी कर ली थी तथा उसे बेचना चाहते थे। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत सम्बन्धित धाराओं में मामला दर्ज करते हुए चालान किया गया है।

ट्रेन चपेट में आने से सिपाही की मौत

चित्रकूट(आरएनएस)। दिवाली मेला में ड्यूटी पर आए जीआरपी में तैनात सिपाही की बुधवार को कर्वी स्टेशन के आउटर पर मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। दिवाली से ठीक पहले घटी इस घटना से सिपाही के घर में शोक की लहर दौड़ गई।जीआरपी थाना प्रभारी अजय भदौरिया ने बताया कि एटा जिले के अलीगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम बिल्सड़, थाना राजा का रामपुर निवासी सिपाही विकास कुमार पांडेय (47) वाराणसी में तैनात थे। वे सोमवार को चित्रकूट दिवाली मेला की ड्यूटी पर आए थे। वे मंगलवार देर रात कर्वी स्टेशन के मानिकपुर की तरफ आउटर पर टहल रहे थे कि तभी मानिकपुर की तरफ से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। जानकारी होने पर जीआरपी थाना पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और शव का पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के तीन पुत्र ऋतिक, वंशगोपाल, भविष्य पांडेय हैं। मृतका दो भाइयों में सबसे बड़ा था।स्थानीय लोगों ने बताया कि सिपाही के कान में लीड लगी थी। टहलते हुए वह पटरी के बेहद करीब पहुंच चुका था। इसी बीच एक ट्रेन को आता देख कुछ लोगों ने चिल्लाकर उसे हटने के लिए कहा लेकिन उसे लगा कि सुनाई ही नहीं दिया। उसे ट्रेन की भी आवाज नहीं सुनाई दी इसी बीच वह ट्रेन की चपेट में आ गया।

तीन दिवसीय वृहद भंडारे का शुभारंभ

चित्रकूट(आरएनएस)। श्री तुलसीपीठाधीश्वर पद्म विभूषण स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के निर्देश पर बुधवार को चित्रकूट के प्रमोदवन स्थित श्री तुलसीपीठ में इस वर्ष भी तीन दिवसीय वृहद भंडारे का शुभारंभ किया गया। श्री तुलसीपीठ उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास द्वारा इस तीन दिवसीय भंडारें का संयोजन व संचालन किया जा रहा है।आचार्य रामचन्द्र दास ने बताया कि दीपावली मेले में चित्रकूट आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक दिन प्रसाद का वितरण शुरू किया गया है, जो तीन दिवस तक चलेगा। बताया कि श्री तुलसीपीठ पर आयोजित किए गए इस भंडारे में सभी श्रद्धालुओं को पूर्ण संतुष्टि तक प्रसाद दिया जाएगा। साथ ही उनके आवास के लिए आश्रम में हाल और टेंट आदि की सुविधा भी प्रदान की गई है। बताया कि उनके गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज चित्रकूट आने वाले सभी श्रद्धालुओं को अपना अतिथि मानते है ।

संक्षेप

नीरज तिवारी को दी गयी नोटिस

प्रतापगढ़। आज दिनांक को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दर्शन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा0 नीरज तिवारी (एडवोकेट) के द्वारा सैकड़ों समर्थकों के साथ ज्ञापन देने जनता दर्शन में घूस आये और टेबल के बगल में कई समर्थकों के साथ जनसुनवाई में व्यवधान उत्पन्न करने लगे, जबकि इस दौरान पहले से 50 से अधिक शिकायतकर्ता और अधिकारीगण मौजूद थे। ज्ञापन के सम्बन्ध में पूर्व से कोई सूचना प्रशासन को नही दी गयी थी जबकि ज्ञापन निर्धारित स्थल पर नामित अधिकारी द्वारा लिया जाता है। इस प्रकरण पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को नोटिस निर्गत करते हुये जवाब मांगा गया है।

रामदेव ने किया सम्मानित

सोनभद्र (आरएनएस)। हरिद्वार में चल रहे प्रमुख योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में यतीन्द्र कुमार उपाध्याय को योग स्वामी रामदेव द्वारा रुद्राक्ष की माला पहना कर सम्मानित किया गया। यतींद्र कुमार उपाध्याय के साथ रवि प्रकाश त्रिपाठी, गोपालदास केशरी राजेश कुमार, राम त्रिपाठी, चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी अनिल चौरसिया, नागेंद्र नाथ चौबे आदि को भी स्वामी रामदेव ने रुद्राक्ष की माला पहना कर सभी को आशिर्वाद प्रदान किया । उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त हरियाणा, हिमाचल प्रदेश,पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश आदि के राज्यों से भी बड़ी संख्या में योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए स सभी योग शिक्षको ने घर घर योग कराने का संकल्प लिया।

संदिग्ध दशा में विवाहिता का मौत

सोनभद्र (आरएनएस)। सदर कस्बा चौकी क्षेत्र के दीपनगर पुरानी सब्जी मंडी के समीप 32 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में बुधवार सुबह हुई मौत से परिजनों में मचा हड़कम्प मच गया।बताया जाता है कि आरती 32 वर्षी पत्नी शुभम केसरी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुयी मौत की सूचना बुधवार की सुबह परिजनों ने पुलिस को देखकर मामले से अवगत कराया। वहीं मायके के परिजनों को सूचित करने पर मौके पहुंचे मृतका के परिजन ने हत्या का लगाया आरोप लगाते हुए बताया कि डेढ़ वर्ष पूर्व शादी हुई थी ।

आरोपीत महिला गिरफ्तार

राजगढ़, मीरजापुर। मड़िहान थाना पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्ता गिरफ्तार की गई। बीते 26 जून को विजय प्रकाश सिंह पुत्र स्वर्गीय रघुनन्दन सिंह निवासी अकोढ़ी थाना विन्ध्याचल द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की पुत्री को दहेज की मांग को लेकर मारने पीटने, प्रताड़ित करने तथा हत्या के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना मड़िहान पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए विवेचना प्रारम्भ की गई। गुरुवार को उप निरीक्षक सुनील कुमार मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना मड़िहान क्षेत्र से अभियुक्ता अंशु उर्फ प्रतिमा सिंह पुत्री श्रीनिवास सिंह निवासी पटेवर थाना मड़िहान को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

दुष्कर्म का आरोपीत गिरफ्तार

राजगढ़, मीरजापुर(आरएनएस)। मड़िहान पुलिस द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार किया गया। बीते 2 अक्टूबर को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध नाबालिग पुत्री को चार माह पूर्व बहला फुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मड़िहान पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। गुरुवार को उप–निरीक्षक श्यमा बदन यादव मय पुलिस टीम द्वारा साक्ष्य संकलन व प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना मड़िहान क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त परमहंस उर्फ पिन्टू पुत्र मुन्नी उर्फ रामआसरे निवासी शिष्टा कला थाना मड़िहान को अंतर्गत धारा 363,366,376(3) भादवि व =(2) पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

500 रूपये की छूट प्रदान की गयी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने जनपद के कृषकों को सूचित किया है कि जनपद को 200 कुन्तल आलू बीज का आवंटन प्राप्त हुआ है। निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा सभी प्रजातियों की विक्रय दर पर रूपये 500 प्रति कुन्तल की छूट प्रदान की गयी है। आलू बीज का वितरण प्रथम आवक–प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ पर किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते है। उन्होने आलू बीज की 04 प्रजातियों में संशोधित दर के सम्बन्ध में बताया है कि कुफरी आनन्द आधारित प्रथम सीड साइज रूपये 2995 प्रति कुन्तल निर्धारित की गयी है।

निगम ने स्वकर निर्धारण छूट की अवधि 31 दिसम्बर तक बढ़ाई

प्रयागराज। जिन भवन स्वामी ने 31 अक्टूबर तक स्वकर निर्धारण जमा नहीं कर पाए। नगर निगम प्रशासन ने जनहित में उनके लिए दो माह और स्वकर निर्धारण की व्यवस्था के लिए निर्देशित किया है। महापौर गणेश केसरवानी के निर्देश के क्रम में मुख्य

कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी द्वारा नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग के अनुमोदनोंपरान्त स्वकर निर्धारण की सुविधा अवशेष बचे बीस हजार भवन स्वामियों के लिए वर्ष के अन्त तक अर्थात 31 दिसम्बर 2024 तक बढानें का निर्णय लिया गया है।अतः समस्त ऐसे भवन स्वामी जिनके बिल के सापेक्ष अभी तक स्वकर निर्धारण नही किया गया है वे सभी लोग 31 दिसम्बर 2024 तक स्वकर निर्धारण करते हुए अपना गृहकर जमा कर सकते है। नगर निगम प्रशासन द्वारा जनहित में नगर निगम प्रयागराज द्वारा विभिन्न विज्ञापन माध्यमों से स्वकर निर्धारण की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 तक के छूट के सम्बन्ध में प्रचार–प्रसार भी कराए जाने का निर्देश मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को दिया गया है।

नागरिकों के हित को ध्यान में रखते हुए। यह निर्माण लिया गया है।
गणेश केसरवानी
महापौर
प्रयागराज

जनसुनवाई में नागरिकों ने यह अपील की हमे अभी और समय चाहिए।
चंद्रमोहन गर्ग
नगर आयुक्त
नगर निगम प्रयागराज

किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

चायल, कौशाम्बी। स्थानीय रामनाथ सिंह महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रोव राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के टीम चयन हेतु किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय से नामित पर्यवेक्षक के रूप में डॉक्टर शरदचंद राय डॉ.बीआर. अंबेडकर राजकीय पीजी कॉलेज फतेहपुर के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्रबन्धक डॉ.श्री कृष्णा पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मां सरस्वती का माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत किया। कार्यक्रम में प्रतापगढ़ ,फतेहपुर, प्रयागराज और बनारस के लगभग 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

महिला की लाइट शिफा हैरिसन डिग्री कॉलेज ऊपरदहा 51 किलो वेट ज्योति कुमारी, सरस्वती महाविद्यालय प्रयागराज 57 किलो वेट प्रथम व द्वितीय स्थान पुरुष फूल कॉन्टैक्ट शिवम, एसपीडी डिग्री कॉलेज फतेहपुर 57 किलो वेट मोहम्मद फैजी, आरबीडीसी फतेहपुर 69 किलोग्राम वेट पॉइंट फ्लाइट ईशान शुक्ला, राज नारायण पांडेय पीजी कॉलेज 52 किलोग्राम सत्यनारायण वर्मा, राजनारायण पांडेय पीजी कॉलेज 63 किलोग्राम पॉइंट फाइट शिवांशी कुशवाहा, राज नारायण पांडेय कॉलेज 51किलोग्राम लक्ष्मी यादव, राज नारायण पीजी कॉलेज 57 किलोग्राम वेट में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्रबंधक व पर्यवेक्षक ने मेडल तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कोच जगदीश कुमार मौर्य चयनकर्ता राजेश कुमार कुशवाहा, शिवम, विद्यासागर, त्रिवेंद्र सिंह पटेल महाविद्यालय का संचालन कर रहे प्रदीप कुमार विश्वकर्मा, वरिष्ठ प्रवक्ता पन्नालाल प्रजापति ,धर्मेंद्र कुमार पटेल ,विजय विश्वकर्मा, प्रवक्ता संदीप प्रजापति, चंद्रभान सिंह पटेल, अरविंद कुमार मौर्य तथा शनि प्रताप सिंह ,युवराज सिंह, राजेश पटेल और शेर सिंह पटेल आदि कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पराली जलाने पर किसान पर ढाई हजार का अर्थदंड

सिराथू, कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के एक गांव में पराली जलाने पर एक किसानों पर ढाई हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग की ओर से गांव में की गई कार्रवाई में कृषक द्वारा अपने खेतों में धान फसल अवशेष (पराली) जलाने के आरोपी में क्षेत्रीय लेखपाल की शिकायत पर किसान को पराली जलाने के आरोप में जुर्माना लगाया हैं।प्रभारी तहसीलदार विनय कुमार सिंह ने बताया कि तहसील क्षेत्र के थोन गांव में किसान सतानन्द पुत्र छबीले लाल हार्वेस्टर से कटाई के बाद खेत में बचे अवशेष को गुरुवार को जलाया गया। लेखपाल की शिकायत पर किसान सतानन्द पर ढाई हजार का अर्थदंड लगाते हुए नोटिस भेजते हुए 15 दिनों के अंदर अतः दंड जमा करने के आदेश दिए है, किसान द्वारा अतः दंड न करने पर भू राजस्व की भांति वसूली की जाएगी।

बीमारी के चलते हुआ होमगार्ड का निधन

बल्दीरायध्सुल्तानपुर। क्षेत्र के पारा बाजार में बीमारी के चलते एक होमगार्ड की मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। वह अपने पीछे पत्नी व 1 बेटे, 3 बेटियों को रोता बिलखता छोड़ गए। परिजनों द्वारा गांव के बाहर कब्रिस्तान पर अंतिम संस्कार किया गया। बल्दीराय थाना क्षेत्र के पारा बाजार गांव के रहने वाले सुरेश कुमार गुप्ता (48) पुत्र शीतला प्रसाद जो उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में बल्दीराय थाना क्षेत्र में तैनाती थी। बीमार होने से ड्यूटी पर जाना बंद कर दिया था। वह करीब 4 माह से गंभीर बीमारी से लड़ रहे थें।

सीएम डैश बोर्ड की रैकिंग में समाज कल्याण विभाग फिसड्डी

सोनभद्र (आरएनएस)। सीएम डैश बोर्ड की रिपोर्ट में समाज कल्याण विभाग वृद्धा पेंशन से संबंधित मामलों के निस्तारण में बेहतर प्रदर्शन किया है। इस नाते बी ग्रेड से ए प्लस की रैंकिंग मिली है। हालांकि पारिवारिक लाभ देने में पीछे हो गया। ए रैंकिंग से फिसलकर सी रैंकिंग पर आ गया है। वृद्धा पेंशन से संबंधित 2235 आवेदन लंबित थे। इसमें सबसे अधिक म्योरपुर ब्लॉक में 397 लंबित थे। इसके बाद नगवां में 334, घोरावल में 303 और बभनी ब्लॉक में 300 आवेदन लंबित थे। इसी तरह चतरा में 171, चोपन में 172, दुद्धी में 136, करमा में 286, रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक में 102 और कोन में 34 मामले लंबित थे। वृद्धा पेंशन से संबंधित मामलों के निस्तारण में सीएम डैश बोर्ड की जारी रिपोर्ट में पहले बी ग्रेड मिला था। अच्छी रैंकिंग नहीं होने पर सीडीओ ने नाराजगी जताई थी और लंबित मामलों के निस्तारण के लिए निर्देशित किया था। इसका असर यह रहा कि बीते दिनों जारी सीएम डैश बोर्ड की रिपोर्ट में वृद्धा पेंशन से संबंधित सभी मामले निस्तारित कर दिए गए और ए प्लस रैंकिंग मिल गई।

सनातन धर्म के ऊपर हो रहे अत्याचार को लेकर लिखा पत्र

सुल्तानपुर(आरएनएस)। लगातार हो रहे ब्राह्मण समाज के ऊपर अत्याचार एवं हत्या को लेकर आज मांग पत्र जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को सौपा। जिसमे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रपति को पत्र लिख के कठोर कानून बनाने की मांग की वही स्व.गोपाल मिश्रा के हत्या मे नाराजगी जताते हुए सनातन धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी और अभद्र लेखन को लेकर कठोर कार्यवाही और कानून बनाने की मांग की। जबकि मुख्यमंत्री से आरोपियों को फासी की सजा एवं पीड़ित परिवार को 3 करोड़ रुपये एवं सरकारी नौकरी एवं आवास देने की मांग राखी ज्ञापन की अगुवाई जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट नीरज दुबे, आदि मौजूद रहे।

नाम हटाए जाने पर बिफरे कांग्रेसी, प्रदर्शन

सुल्तानपुर (आरएनएस)। बनारस में पुराने आधुनिक स्टेडियम से बाबू संपूर्णानंद का नाम हटाए जाने को लेकर कांग्रेसियों ने कडा विरोध किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व एवं शहर अध्यक्ष शकील अंसारी की उपस्थिति में सैकड़ो की संख्या में कांग्रेसी जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से निकलकर राजीव गांधी (तिकोनिया पार्क) पहुंचे, जहां उन्होंने राजीव गांधी की प्रतिमा पर मान्यर्पण कर बनारस के पुराने आधुनिक स्टेडियम से बाबू संपूर्णानंद का नाम हटाए जाने को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट पहुंचे कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के तौर पर पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने भाजपा सरकार के इस आमार्यदित्य कृत को हम कांग्रेस

जन कड़ा विरोध करते हैं, यह भाजपा सरकार की तरफ से किया गया बेहद शर्मनाक कृत है। संपूर्णानंद जैसे लोकप्रिय मनीषी, राजनेता का किसी भी प्रतिष्ठान से नाम हटा दिया जाना यह काशी वासियों के भावनाओं का ही नहीं बल्कि देश प्रदेश की भावनाओं का अपमान है।वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओपी चौधरी ने कहा कि यह वही भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जो महापुरुषों का अनादर करती चली आ रही है। इसके पूर्व में भी कई महापुरुषों के नाम से बने संस्थानो का नाम बदलकर महापुरुषों की विरासत को खत्म करना चाहती है। हम कांग्रेस जन इसका घोर विरोध करते है। इस मौके पर शहर अध्यक्ष शकील अंसारी, वरिष्ठ नेता ओपी चौधरी, नफीस फारुकी, रणजीत सिंह सलूजा, महेंद्र सिंह सुब्रत सिंह सनी, पवन मिश्रा कटांवा, मनोज कुमार शुक्ला, मनोज तिवारी, हाजी फिरोज अहमद, आवेश अहमद ममनून आलम अतहर नवाब सेवादल अध्यक्ष अरुण त्रिपाठी, मानिक चंद्र श्रीवास्तव, विनय त्रिपाठी जाकिर हुसैन, इमरान, अर्श खान लकी, जिगर पाठक, प्रेम भारती,शीतला साहू आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में फहराया परचम

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो के तत्वाधान में राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में किया गया इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों को फेडरेशन कप के लिए चयनित किया गया है।सुल्तानपुर (आरएनएस) जिले की तरफ से प्रतिभाग करते हुए अंजलि तिवारी सीनियर भार वर्ग में स्वर्ण पदक एवं कार्तिकेय अग्रहरि जूनियर भार वर्ग में स्वर्ण पदक तथा कैडेट भार वर्ग में तेजस शुक्ला रजत पदक सब जूनियर भार वर्ग में अथर्व अग्रहरि रजत पदक एवं चारु श्रीवास्तव रजत पदक प्राप्त करने में सफल रहे। अंजलि तिवारी का चयन फेडरेशन कप एवं कार्तिकेय अग्रहरि का चयन जोन के लिए किया गया है। सुल्तानपुर ताइक्वांडो संघ सचिव प्रणय चंद्र शुक्ला ने यह भी जानकारी दी कि अयोध्या जिले के राजमोहन गर्ल्स पीजी कॉलेज में राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में अंजलि तिवारी एवं विकास पाल ने स्वर्ण पदक अर्जित करते हुए आगामी नवंबर माह में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर में होने वाली अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अपना चयन पक्का किया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप दुबे कोष्ध अध्यक्ष विजय बहादुर विश्वकर्मा ओलंपिक संघ के सचिव पंकज दुबे एवं अध्यक्ष पूर्व खेल मंत्री उत्तर प्रदेश ओम प्रकाश सिंह ने आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी।

उपाध्यक्ष के सामने उठा शीला और साजिद की कहानी का मुद्दा

कुशीनगर। बीते अगस्त माह में जनपद के कसया विकास खण्ड क्षेत्र के ग्रामसभा माधोपुर मठिया स्थित प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के महिला और पुरुष शिक्षको के बीच हुई अश्लील बातचीत के वायरल आडियो मामले मे निलंबन की कार्रवाई के बाद आगे की कार्रवाई ठंडे बस्ते में पडा है। चर्चा जोरों पर है कि निलंबन के बाद मामले की विस्तृत जांच कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी की दो सदस्यीय टीम आरोपी शिक्षको को बचाने की तरकीब ढूढ रहे है। विभाग की मंशा को देखते मीडिया ने बुधवार को आरोपी दोनो शिक्षको की कारस्तानी बुधवार उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष के सामने उठाया। आयोग की उपाध्यक्ष ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए विभाग को कडी चेतावनी के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

काबिले गौर है कि बीते माह एक वाट्सएप ग्रुप में माधोपुर मठिया स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका शीला यादव व इस गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अली के बीच मोबाइल फोन के जरिए अश्लील बातचीत का आडियो वायरल हुआ था जो बाद मे उस ग्रुप से अन्य वाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया मंच पर खूब प्रसारित हुआ, जैसे ही यह आडियो मीडिया के हाथ लगी तो मीडिया ने समाज के निर्माता कहे जाने व गुरु शब्द को कलंकित करने वाले इन शिक्षको के कुकर्मों को प्रमुखता से उठाया। इसके बाद इन शिक्षको के कारनामे सुनकर न सिर्फ इन दोनो शिक्षको की बल्कि विभाग की भी खूब छिछालेदर हुई। नतीजतन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ, रामजियावन मौर्य ने खंड शिक्षा अधिकारी से मामले की जांच करायी और दोषी पाये जाने पर शीला यादव व साजिद अली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी कप्तानगंज रीता गुप्ता व खण्ड शिक्षा अधिकारी दुदही प्रभात कुमार राय को संयुक्त रूप से इस प्रकरण की सम्पूर्ण जांच कर आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। किन्तु अफसोस दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच अधिकारियों की जांच ठंडे बस्ते मे है।

इनसेट — आरोपी शिक्षकों को बचाने की गरज जांच ठंडे बस्ते मे— यहां बताना जरूरी है कि महिला अध्यापिका शीला यादव व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अली के बीच विद्यालय मे मोबाइल फोन के जरिए हुई अश्लील बातचीत के 28 आडियो वायरल हुए थे। वायरल आडियो में तमाम आडियो ऐसे है जिसमें दोनो शिक्षको ने अश्लीलता की सारी हदे पार कर दी है जिसे सार्वजनिक स्थल अथवा घर मे बिना ईयरफोन लगाये नही सुना जा सकता है। वायरल आडियो मे ही प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका शीला यादव पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अली से मोबाइल फोन पर बोल रही है श्श क्यो बोल नही रहे है। उस बच्ची के पीछे क्यो पडे है, जाकर छू रहे है बार बार, हम देख नही रहे है क्या। अभी फोन काट देंगे तो लगेंगे गुस्सा होने। दुसरे आडियो में शीला यादव को साजिद से यह कहते हुए सुना जा रहा है अभी पिछले साल उस लडकी के (यहां शीला यादव एक छात्रा की नाम लेती है) पीछे पडे हुए थे किसी तरह से छोडे है तो अब इसके पीछे पडे हुए है हर साल किसी न किसी के पीछे पडे रहते है। इसी लिए बच्चे यहां से भाग जाते है। इसी तरह एक आडियो मे महिला शिक्षिका द्वारा यह कहा जा रहा है कि क्यो फोन उठाकर बोल नही रहे है सामने खडे तो है हम देख नही रहे है। फोन उठाकर काहे नही बोल रहे है क्यो चुप है। ऐसे ही पिछले साल किसी तरह से मैटर शांत हुआ। बच्चियों को लेकर, बच्चियों को ए करते है बच्चियों को वो करते है और बात झूठ नही था, किसी तरह से मैटर को छुपाकर हम लोगों मामले को शांत किये फिर कुछ चाह रहे है क्या? कहना न होगा कि जिस तरह से आडियो में महिला शिक्षिका बोल रही है उससे यह स्पष्ट होता है कि निलंबित प्रधानाध्यापक साजिद अली जहा शिक्षा के मंदिर मे महिला शिक्षिका के साथ अश्लील बाते कर शिक्षक की गरिमा को तार–तार करते रहे है।

रेलवे लाइन के किनारे मिला दिव्यांग का शव,खाद-बीज की चलाते थे दुकान

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत लिगदहिया गांव निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू दो साल पहले एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। इलाज के दौरान वह दिव्यांग हो गए।वह दूर तक पैदल नहीं चल पाते थे। करछना बाजार में ही गोलू ष्बीज भण्डारष के नाम से खाद बीज की

अपनी दुकान चलाते थे। प्रतिदिन सुबह अपने छोटे भाई के साथ बाइक से दुकान पर जाते थे। गोलू का भाई उसे दुकान पर छोड़कर नौकरी करने शहर चला जाता था। बुधवार को भी गोलू ने दुकान खोली, लेकिन शाम को जब उसका भाई लौटकर आया तो दुकान बंद मिली। आसपास के लोगों ने बताया कि आज दोपहर 2:30 बजे के आसपास ऑटो–रिक्शा से कहीं गया था। देर शाम युवक का शव रेलवे ट्रैक के पास मिला। परिजन मौके पर पहुंचे और हत्या की आशंका जताते हुए पैसों के विवाद का जिक्र किया। छोटे भाई मो. फैजान ने बताया कि घटनास्थल पर गोलू के एक पैर की चप्पल मिली है,जबकि दूसरी गायब थी। उन्होंने कहा कि रेलवे ट्रैक की ऊंचाई देखते हुए एक दिव्यांग व्यक्ति वहां कैसे पहुंच सकता है। पुलिस का कहना है पीएम रिपोर्ट एवं परिजनों की तहरीर के आधार पर उचित कार्रवाई होगी। जांच पड़ताल के बाद जो भी तथ्य सामने आयेंगे, उसके अनुरूप मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

कोल्ड स्टोर में अमोनिया गैस के रिसाव से मची भगदड़

प्रयागराज। मंझनपुर थाना क्षेत्र के समदा गांव स्थित मां शारदा कोल्ड स्टोरेज में सुबह अचानक अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा। बताया जा रहा है कि इस रिसाव का कारण कोल्ड स्टोर की पाइप लाइन को बंदरों द्वारा हिलाकर तोड़ दिया गया था। जैसे ही गैस रिसने लगी, कोल्ड स्टोर में काम कर रहे मजदूरों ने अपनी जान बचाने के लिए बाहर निकल आए। इस मामले की जानकारी उद्यान विभाग के अधिकारियों को हुई, तो उन्होंने फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी। फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पाइप लाइन को ठीककर रिसाव रोकने के लिए पानी का छिड़काव किया।लगभग एक घंटे की मेहनत के बाद स्थिति को सामान्य किया जा सका। गैस के रिसाव के चलते कई लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, वहीं कुछ लोग बेहोश होने लगे। हालांकि किसी को भी अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं पड़ी। घटनास्थल पर एक बन्दर की मौत हो गई, जबकि अन्य बन्दर भाग गए थे। उद्यान निरीक्षक ने कहा कि कोल्ड स्टोरेज में बंदरों ने पाइप लाइन को हिलाकर तोड़ दिया था। गैस हल्की होने के कारण ऊपर चली गई और लगभग 15 मिनट तक रिसाव होता रहा। स्थिति अब सामान्य हो गई है। इस घटना के बाद लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन गैस के रिसाव से कई बीघे फसल जल जाने की खबर है। इस मामले से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

बुंदेलखंड में लट्ठमार दिवाली की मची धूम, गूंजे ढोलक के थाप

प्रयागराज ।। बुंदेलखंड के विभिन्न जिलों में दिवाली की तैयारी कुछ अलग अलग तरीके से नजर आई। यहां परंपरागत तरीके से लट्ठमार दिवाली का आयोजन किया गया, जो बुंदेलखंड का विशेष दिवाली नृत्य है। इस नृत्य में ढोलक,ढाल और लाठियों के संग उत्साह और उमंग से लोग थिरकते नजर आए। चित्रकूट सहित कई क्षेत्रों में आज भी यह अनोखी परंपरा विशेष हर्षोल्लास पूर्वक मनाई जाती है। दिवाली के दूसरे दिन चित्रकूट के घाटों पर परंपरागत नृत्य की छटा देखते ही बनती है।

दिवाली/छठ पर्व के अवसर पर विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिवाली/छठ पर्व के शुभ अवसर पर विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	चलने का दिन	अधिसूचित तिथि तक	संचालन की विस्तारित तिथि
01079	छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)-गोरखपुर	प्रतिदिन	प्रतिदिन	11.11.2024	12.11.24 से 20.11.24 तक
01080	गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)	प्रतिदिन	प्रतिदिन	13.11.2024	14.11.24 से 22.11.24 तक
01143	लोकमान्य तिलक (ट.) -दानापुर	प्रतिदिन	प्रतिदिन	11.11.2024	12.11.24 से 20.11.24 तक
01144	दानापुर- लोकमान्य तिलक (ट.)	प्रतिदिन	प्रतिदिन	12.11.2024	13.11.24 से 21.11.24 तक
01145	छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)-आसनसोल	साप्ताहिक	सोमवार	11.11.2024	18.11.24 एवं 25.11.24
01146	आसनसोल-छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)	साप्ताहिक	बुधवार	13.11.2024	20.11.24 एवं 27.11.24
01205	पुणे - दानापुर	प्रतिदिन	प्रतिदिन	07.11.2024	08.11.24 से 17.11.24 तक
01206	दानापुर - पुणे	प्रतिदिन	प्रतिदिन	09.11.2024	10.11.24 से 19.11.24 तक
01481	पुणे - दानापुर	प्रतिदिन	प्रतिदिन	11.11.2024	12.11.24 से 20.11.24 तक
01482	दानापुर - पुणे	प्रतिदिन	प्रतिदिन	13.11.2024	14.11.24 से 22.11.24 तक
01065	छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)-अगरतला	साप्ताहिक	गुरूवार	07.11.2024	14.11.24 एवं 21.11.24
01066	अगरतला - छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)	साप्ताहिक	रविवार	10.11.2024	17.11.24 एवं 22.11.24
01207	नागपुर - समस्तीपुर	साप्ताहिक	बुधवार	13.11.2024	20.11.24
01208	समस्तीपुर - नागपुर	साप्ताहिक	गुरूवार	14.11.2024	21.11.24
01415	पुणे - गोरखपुर	प्रतिदिन	प्रतिदिन	11.11.2024	12.11.24 से 20.11.24 तक
01416	गोरखपुर - पुणे	प्रतिदिन	प्रतिदिन	12.11.2024	13.11.24 से 21.11.24 तक
01491	पुणे - हज़रत निज़ामुद्दीन	साप्ताहिक	शुक्रवार	01.11.2024	08.11.24, 15.11.24 व 22.11.24
01492	हज़रत निज़ामुद्दीन - पुणे	साप्ताहिक	शनिवार	02.11.2024	09.11.24, 16.11.24 व 23.11.24

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1913/24(ADM)

धूमधाम से निकाली गयी गिरिराज की शोभायात्रा,हुआ पूजन

प्रयागराज।। 02 नवमी गोवर्धन चपूजा महोत्सव पर जगह जगह आयोजन हुआ। श्री ब्रज रस रसिक भजन मंडल के तत्वावधान में लूकरगंज स्थित श्यामा सदन राधे कृष्णा एन्क्लेव में 45वां श्री गोवर्धन पूजन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इससे पूर्व श्रीकृष्ण और बलराम की भव्य शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई। रथ पर सवार श्रीकृष्ण (कृष्णा निगम) और बलराम (नक्षत्र द्विवेदी) की झांकी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। शोभा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में कृष्ण भक्तों ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा में पीले वस्त्र धारण किए महिलाएं शामिल रहीं। शोभायात्रा के दौरान मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रीकृष्ण और बलराम का आरती एवं पूजन द्वारा स्वागत किया गया।शोभायात्रा राधे कृष्ण एन्क्लेव से निकलकर लूकरगंज हिम्मतगंज खुल्दाबाद होते हुए श्यामा सदन पहुंची। जहां उनका आरती

एवं पूजन कर भव्य स्वागत किया गया। वहीं भक्ति गीतों पर भक्त झूमते थिरकते रहे। इसके बाद श्रीकृष्ण और बलराम ने श्यामा सदन में गाय के गोबर से निर्मित श्री गोवर्धन की प्रतिमा का पूजन किया। भक्तजनों ने भी गिरिराज का विधिवत पूजन अर्चन किया। बाल कलाकारों से सुसज्जित कार्यक्रम में धार्मिकता के साथ साथ सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के पहलुओं का मंचन हुआ। भजन मंडल के कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर महापौर गणेश केसरवानी और पूर्व महापौर मुरारी लाल अग्रवाल ने पुरस्कार वितरित किया। उन्होंने कार्यक्रम संयोजक डा अखिल निगम की सराहना की। कार्यक्रम में ओंकार दत्त गौतम, गंगा विशुन, ओजास गौतम, श्रुति निगम, सोनिका अग्रवाल, रमा द्विवेदी द्वारा सुंदर सुंदर भजन प्रस्तुत किए गए। भक्तों ने गीत संगीत की प्रस्तुति की। मुख्य कार्यक्रमों में ब्रज में श्रीराधा कृष्ण के मधुर मिलन के प्रसंग को बाल कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुत किया। जिसमें कृष्णा निगम (कृष्ण), नक्षत्र द्विवेदी (बलराम), रिया सोनकर (राधा), अशिंका, आराध्या, नंदिनी आदि सखियां रहीं। बाल कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को संगीतमय बना दिया। वहां मौजूद लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।सांस्कृतिक कार्यक्रमों का निर्देशन रोली सक्सेना एवं प्रीति सोनकर ने किया। साज सज्जा राधिका निगम ने की।हारमोनियम पर भास्कर कुशवाहा ढोलक पर हर्ष कुशवाहा ने संगत दी। महापौर श्री गणेश केसरवानी ने बाल कलाकारों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया। निंबार्क आश्रम के महंत श्री राधा माधव दास महाराज ने गोवर्धन पूजा के महत्व पर प्रकाश डाला। भजन मंडल के संचालक अतुल जी निगम ने सभी भक्त जनों के प्रति आभार प्रकट किया। वहीं आरती और अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में संयोजक डॉ अखिल निगम, पूर्व पार्षद नटवर लाल भारतीय, अधिवक्ता मनीष द्विवेदी, अधिवक्ता दुर्गेश दुबे, राजेंद्र कुमार तिवारी दुकान जी, राजन भारद्वाज, नन्दलाल प्रजापति, परमेश्वर भटनागर, डॉ एस के पांडेय, दुलीचंद सेठ, शरद अग्रवाल, उज्वल निगम, गौरांग निगम, अन्नू, अनूप, ऊषा निगम, आकांक्षा निगम, रमा द्विवेदी, बिना सचदेवा, शालू श्रीवास्तव, भारती चौहान, सरोज अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, आशा श्रीवास्तव, सुधा निगम, मीरा निगम,सीमा सेठ आशा केसरी छाया निगम आदि रहे। यह जानकारी संयोजक डा अखिल निगम ने दी।

सद्भावना क्रिकेट सीरीज 1–1 से बराबर

प्रयागराज। सेंट पीटर्स क्लब और होटल रामा कॉन्टिनेंटल के बीच तीन मैचों की सीरीज 1–1 से बराबरी पर समाप्त हुई। तीसरे मैच में सेंट पीटर्स क्लब ने छह विकेट से जीत दर्ज की। ईश्वर शरण इंटर कॉलेज मैदान पर होटल रामा कॉन्टिनेंटल ने 20 ओवर में 96 रन (ध्रुव शुक्ला 21, इस्माइल, अनुराग व सचिन एक–एक विकेट) बनाये। जवाब में सेंट पीटर्स क्लब ने 17.3 ओवर में चार विकेट पर 98 रन (इस्माइल 33 नाबाद, अंश मिश्रा 23 नाबाद, अभिनंदन, शार्दूल व यशपाल एक–एक विकेट) बना लिए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः MECH-ONF-AMC-SPART-CNB-24 दिनांक : 30.10.2024

ई-निविदा सूचना

ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से निविदाएं-भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से "एसएसई/लोको/सीएनबी के अधीन एचएस-स्पार्ट/सीएनबी के 02 कमिंस डीजल इंजन और 02 कमिंस डीजल जेनरेटर की 03 वर्षों की अवधि के वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)" के कार्य के लिए "सिंगल पैकेट सिस्टम में खुली निविदा" आमंत्रित की जाती है।

न्यूनतम तकनीकी अर्हता के लिए समान कार्य की परिभाषा : Work of supply, installation and commissioning any of the following works for Central or State Government organization/Indian Railway/Public Sector undertaking: "Manufacturing/maintenance of Cummins Engine/Diesel Generator on SPART/SPARMV/SPIC/Rolling Stock."

कार्य का मूल्य (₹ में) लगभग : 56,19,370.11 | **बोली सुरक्षा (₹ में)** : 1,12,400.00

निविदा प्रपत्र की लागत (₹ में) : NIL | **पूर्ण होने की अवधि** : 36 Months

निविदा बंद करने की तिथि एवं समयः 21.11.2024, 15:00 Hrs.

निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 21.11.2024, 15:30 Hrs.

(1) उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेज के साथ संपूर्ण जानकारी **21.11.2024 को 15:00** बजे तक वेबसाइट http://www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध रहेगी। निविदाकर्ताओं को केवल इस वेबसाइट पर अपना ई-निविदा जमा करना होगा। (2) उपरोक्त ई-निविदाओं के लिए ई-टेंडरिंग के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए, ठेकेदारों को तृतीय श्रेणी के डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्रों के साथ आईआरईपीएस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। (3) दर पृष्ठ में दर्ज की गई और डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित दरों पर ही विचार किया जाएगा। यदि निविदाकर्ता द्वारा कोई अन्य प्रपत्र/पत्र संलग्न किया गया है तो किसी अन्य वित्तीय इकाई में दरों पर विचार नहीं किया जाएगा। (4) संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों पर निविदाकर्ता द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। (5) **बोली सुरक्षाः** सभी निविदाकारों/ठेकेदारों को इस निविदा के विरूद्ध बोली सुरक्षा के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से भुगतान करने की अनुमति है। हालांकि, बोली सुरक्षा नकद में जमा की जाएगी। ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा किया जा सकता है या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में बताया गया है। बैंक गारंटी बांड अनुबंध-VIA के अनुसार होगा और बोली वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। (6) निविदा निर्धारित समय एवं तिथि पर खोली जायेगी। यदि निर्दिष्ट तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर उसी समय खोली जाएगी। (7) किसी भी कठिनाई के मामले में आईआरईपीएस की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (8) किसी भी सशर्त प्रस्ताव को सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा। अन्य नियम एवं शर्तें निविदा दस्तावेजों में देखी जा सकती है। (9) वस्तुओं और/या सेवाओं के उक्त आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जीएसटी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। (रेलवे बोर्ड के पत्र क्रमांक 2016/AC-II/1/6 दिनांक 12 मई 2017 के अनुसार) 1909/24 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पर्यटन का महत्वपूर्ण मंच बना महाकुंभ, 45 हजार से अधिक परिवारों को मिलेगा रोजगार

प्रयागराज। प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश में पारम्परिक भारतीय मूल्यों और श्अतिथि देवो भवरूश की संकल्पना पर पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं और वातावरण प्रदान कर रही है। सरकार के इस भागीरथ प्रयत्न से प्रदेश में पर्यटन सेक्टर का कायाकल्प हो रहा है। प्रयागराज महाकुंभ जैसा विशाल जन समागम इसे बड़ा मंच प्रदान कर रहा है। पर्यटन को गति देने के लिए पूरे प्रयागराज में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं,जिससे महाकुंभ के दौरान न सिर्फ वेंडर्स और सेवा प्रदाताओं की आय बढ़ेगी, बल्कि 45 हजार से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा। इसके साथ ही समस्त धार्मिक पर्यटन स्थलों के आसपास भी रोजगार के नए स्रोत विकसित होंगे। कौशल विकास और प्रबंधन से यूपी में बदल रही है पर्यटन की तस्वीर। वर्ष 2017 से उपेक्षित पड़े पर्यटन सेक्टर को प्रदेश की योगी सरकार ने नया आयाम दिया है। 16 नवंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश की नई पर्यटन नीति–2022 को मंजूरी मिलने के बाद पर्यटन क्षेत्र के विकास का नक्शा बदलना शुरू हुआ। नई पर्यटन नीति से प्रदेश में 20 हजार करोड़ के निवेश और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें भी सबसे पहले पर्यटन सेक्टर से जुड़े सर्विस प्रोवाइडर को कौशल विकास और प्रबंधन से जोड़ना महत्वपूर्ण है। प्रयागराज महाकुंभ इसके लिए बड़ा मंच साबित हो रहा है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि प्रयागराज महाकुंभ में पर्यटकों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क में आने वाले सभी सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित करने का अभियान शुरू किया गया है। नाविकों , टूर गाइड, स्ट्रीट वेंडर्स और स्ट्रीट वेंडर्स जैसे सेवा प्रदाताओं को कौशल विकास और मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी जा रही है। नाविकों को मिल रही नई भूमिका,रिवर गाइड होंगे नाविक। धार्मिक स्थलों में नदियों में नौका संचालन से आजीविका चलाने वाले नाविकों की आय बढ़ाने और क्षमताओं का विकास कर योगी सरकार उन्हें नई भूमिका दे रही है। पर्यटन विभाग 2000 नाविकों को इसका प्रशिक्षण दे रहा है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि पर्यटन विभाग ने मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान और एक अन्य संस्था के साथ एक एमओयू साइन किया है जिसके अंतर्गत यह ट्रेनिंग चल रही हैं जिसमें अभी तक 300 नाविकों को कौशल विकास की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इस प्रशिक्षण से नाविक अब नौकायन से आगे बढ़कर रिवर गाइड की भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे। इससे नदियों में धार्मिक स्थलों के किनारे नाव चलाने वाले हजारों नाविकों को रोजगार मिलेगा और पर्यटन स्थलों का वातावरण भी बेहतर होगा। टूर गाइड भी किए जा रहे हैं स्किल्ड। पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के लिए इस स्थलों में बुनियादी संरचना के विकास के साथ यहां सेवा प्रदान करने सेवा प्रदाताओं को भी स्मार्ट बनाना होगा। पर्यटन विभाग ने इसी को देखते हुए प्रयागराज में 1000 टूर गाइड को स्किल डेवलपमेंट और मैनेजमेंट की ट्रेनिंग प्रदान कर रहा है। मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रखर तिवारी की अगुवाई में यह ट्रेनिंग चल रही है। प्रखर तिवारी बताते हैं कि अब तक यहां टूर गाइड के 7 बैच की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है जिसमें 420 टूर गाइड प्रशिक्षित होकर सेवाएं देने को तैयार हैं। स्ट्रीट वेंडर्स और टैक्सी ड्राइवर्स को भी दी जा रही है ट्रेनिंग। पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की डिलीवरी देने के लिए पर्यटन सेक्टर में प्रशिक्षित जनशक्ति पूल का निर्माण करना बड़ी आवश्यकता है। महाकुंभ में आने वाले पर्यटकों के आतिथ्य में यह जन शक्ति उपयोगी साबित हो सकती है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि महाकुंभ के पूर्व पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी सेवा प्रदाताओं और जनशक्ति को कुशल बनाने के लिए टूर गाइड और नाविकों के साथ साथ अब शहर के स्ट्रीट वेंडर्स और टैक्सी ड्राइवर्स को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्ट्रीट वेंडर्स शहरी अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण घटक हैं जो एक तरफ जहां स्थानीय लोगों तक रोज़मर्रा की आवश्यक उपयोगी वस्तुओं को पहुंचाते हैं तो वहीं बाहर से आने वाले पर्यटकों के साथ भी उनका संपर्क होता है। पर्यटकों के साथ व्यवहार के प्रति संवेदनशील बनाने और पर्यटक स्थलों एवं मार्गों पर स्वच्छता की जानकारी देने के लिए इनका प्रशिक्षण भी आवश्यक है। पर्यटन विभाग की तरफ से इनका प्रशिक्षण शुरू किया गया है। प्रयागराज में 600 स्ट्रीट वेंडर्स और 600 टैक्सी ड्राइवर्स को इसका प्रशिक्षण दिया जाना है। इसके अंतर्गत अभी तक 250 स्ट्रीट वेंडर्स और 120 टैक्सी ड्राइवर्स को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। 45 हजार से अधिक परिवारों को मिलेगा रोजगार। योगी सरकार की नई पर्यटन नीति पर्यटन क्षेत्र के लिए जहां गेम चेंजर साबित हो रही है वहीं इससे रोजगार की असीमित संभावनाएं खुल गई हैं। महाकुंभ के पूर्व पर्यटन से जुड़े इन सेवा प्रदाताओं स्किल डेवलपमेंट और मैनेजमेंट की ट्रेनिंग देने से बड़ी तादाद में युवाओं को रोजगार मिलेगा। उनकी आमदनी बढ़ेगी। क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी के मुताबिक महाकुंभ के पहले इस ट्रेनिंग कम्पेन से 45 हजार से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही इन धार्मिक पर्यटन स्थलों के आसपास भी रोजगार के नए स्रोत विकसित होंगे।

सत्य एवं न्याय का पथगामी एवं सहानुभूति से परिपूर्ण मनुष्य ही असिला मानव है – राजेश तिवारी

प्रयागराज ।मानवता के गुणों से परिपूर्ण मनुष्य ही इस संसार का सबसे धनी व्यक्ति है यह अभिव्यक्ति एशोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन प्रयागराज के जिला मंत्री राजेश तिवारी ने समाजसेवी एवं भाजपा नेता शैलेश मिश्रा से उनके निज निवास मदरा मुकुन्दपुर मेजा प्रयागराज में कही ।संज्ञानित कराते चले कि जिला मंत्री के प्रिय मित्र अरविन्द दुबे रामनगर मेजा के समाजसेवी एवं भाजपा नेता श्री मिश्रा भान्जा हैं जिस कारण जिला मंत्री भी श्री मश्रा को अपना भान्जा ही मनाते हैं।

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे

नवाब यूसुफ रोड, बाल्मीकि चौराहा, प्रयागराज-211001

वर्ष 2024-25 में स्काउट्स एवं गाइड्स कोटा के अंतर्गत खुली भर्ती

रोजगार सूचना सं. S&GQ 2024-25 दिनांकः 30.10.2024

ऑनलाईन आवेदन प्रारंभ तिथिः 01.11.2024 एवं ऑनलाइन अंतिम तिथिः 30.11.2024 23:59 बजे तक

उत्तर मध्य रेलवे में स्काउट्स एवं गाइड्स कोटा वर्ष 2024-25 में खुली भर्ती के तहत ग्रेड पे रू. 1900/- एवं 1800/- (7 वें सीपीसी के बाद संशोधित वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-02 एवं 01) में भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक और स्काउट्स एवं गाइड्स योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से नीचे दर्शाये गये कोटे के विरुद्ध ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 30.11.2024 रात्रि 23:59 बजे तक आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.सं.	पद	7वें सीपीसी के पे मैट्रिक्स लेवल	पदों की संख्या	पदों को आवंटन
1.	लेवल-2	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रू.1900/-)	02 (दो)	उत्तर मध्य रेलवे पर
2.	लेवल-1	पे मैट्रिक्स लेवल-1 (ग्रेड पे रू.1800/-)	06 (छः)	02 पर प्रत्येक झांसी, प्रयागराज एवं आगरा मंडलों हेतु।

• उपरोक्त कोटा सभी श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु है बशर्ते वे न्यूनतम योग्यता रखते हों।

• रोजगार सूचना, आवेदन पत्रों का प्रारूप एवं अन्य सभी विवरण, यथा शैक्षणिक योग्यता, आयु भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा शुल्क, आवेदन कैसे करें तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के वेबसाइट www.rrcpryj.org एवं www.ncr.indianrailways.gov.in पर दिनांक 30.10.2024 से उपलब्ध है।

अध्यक्ष,
रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1912/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पहले ही प्रयास में पवन पांडेय ने यूपीएससी की परीक्षा में मारी बाजी

प्रयागराज। जनपद के नगर पंचायत कोंहडौर के बरौली वार्ड निवासी शिव पूजन पाण्डेय एक सरकारी अध्यापक हैं। और पत्नी कंचन देवी गृहिणी हैं उनके इकलौते पुत्र पवन पाण्डेय ने महज 22 वर्ष की उम्र में पहले ही प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा पास करके देश की प्रतिष्ठित सेवा में अपना स्थान बनाया है। पवन पाण्डेय ने जनपद के डॉल्फिन पब्लिक स्कूल से इंटर मीडिएट तक की पढ़ाई करने के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक किया। पिता शिव पूजन पाण्डेय का सपना था कि उनका बेटा एक दिन अफसर बने और समाज में उनके नाम का मान बढ़ाए। उनके बेटे, पवन पाण्डेय ने यह सपना साकार कर दिखाया। पवन ने पहले ही प्रयास में यूपीएससी की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। पवन ने अपनी पढ़ाई के दौरान

अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें सफलता की ऊँचाईयों तक पहुँचाया। गाँव के सीमित संसाधनों के बावजूद, उन्होंने अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता दी और अपने लक्ष्य को कभी नज़र अंदाज नहीं किया। पवन का कहना है कि उनकी सफलता के पीछे उनके माता–पिता का त्याग और प्रेरणा है। यूपीएससी में सफल होने के बाद, पवन ने युवाओं को संदेश दिया कि मेहनत और आत्म विश्वास से हर सपना साकार किया जा सकता है। पूरे गाँव में पवन पाण्डेय की इस उपलब्धि को लेकर उत्साह का माहौल है।

9 या 10 को फुलपुर में होगी अखिलेश की जनसभा

प्रयागराज।। फूलपुर विधानसभा के उपचुनाव में इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार हाजी मुजतबा सिद्दीकी के समर्थन में समाज वादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री मा अखिलेश यादव जी आगामी 9 या 10 नवम्बर को जनसभा करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए सपा मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर ने बताया है कि प्रदेश कार्यालय से संकेत मिलते ही उपचुनाव के प्रभारी पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी, शकील अहमद

सहित नेताओं, पदाधिकारियों ने आज प्रस्तावित जनसभा स्थल रुदापुर गाँव में बंदरिया बाग का निरिक्षण किया। मधुर के अनुसार सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन के लिये 9एवं 10 नवम्बर का प्रस्ताव एवं जनसभा स्थल की जानकारी जिलाध्यक्ष अनिल यादव द्वारा पार्टी कार्यालय में भेज दिया गया है। राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से निर्धारित तिथि एवं समय की सूचना का इंतजार है। जनसभा स्थल पर अन्य तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन, शांति प्रकाश पटेल, सुरेश मौर्य, डॉ बी प्रसाद बिन्द, भोला यादव आदि मौजूद रहे।

निर्वाचन ड्यूटी में लगे कार्मिक पोस्टल बैलेट के माध्यम से कर सकते हैं अपना मतदान – पूजा मिश्रा

प्रयागराज। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 256 – फूलपुर विधानसभा उप निर्वाचन –2024 के दृष्टिगत 256–फूलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन ड्यूटी में लगे मतदान कार्मिकों को 08.11.2024 एवं 09.11.2024 को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान हेतु बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल एण्ड कालेज, 05 मिशन रोड, कटरा, प्रयागराज में फैसीलिटेशन सेन्टर तथा अन्य जनपद (मुरादाबाद, कानपुर नगर, अम्बेडकरनगर, मिर्जापुर,मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद,अलीगढ़ एवं मैनपुरी) में तैनात 256 – फूलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के ऐसे मतदाता जो सरकारी सेवा में कार्यरत हैं और विधानसभा उप निर्वाचन–2024 में निर्वाचन कार्य में लगे है को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान हेतु अतिरिक्त फैसीलिटेशन सेन्टर स्थापित किया गया है। यह केन्द्र दिनांक 08 नवम्बर एवं 09 नवंबर को प्रतिदिन पूर्वाह्न 10रू00 बजे से कार्य समाप्ति तक चलेगा,जिसमें प्रशिक्षण के उपरान्त मतदान कार्मिक निर्धारित काउण्टर पर जाकर जानकारी प्राप्त कर पोस्टल बैलेट/ई०डी०सी० के माध्यम से मतदान की सुविधा का लाभ उठा सकते है । प्रपत्र 12/12क में कार्मिक के मतदाता के सम्बन्ध में जानकारी यथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का नाम एवं संख्या मतदान के मतदान केन्द्र का भाग संख्या एवं नाम तथा मतदाता संख्या अंकित कर हस्ताक्षर करना होता है। इस हेतु सभी कार्मिकों को फार्म – 12 / 12क पूर्ण रूपेण भरकर अपने निर्वाचन ड्यूटी प्रमाणपत्र की छायाप्रति एवं मतदाता पहचान पत्र अथवा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य अनुमन्य पहचान पत्रों में से किसी एक पहचान पत्र की छाया प्रति संलग्न कर फैसीलिटेशन सेन्टर पर जमा करना होगा तथा जमा करने के उपरान्त फैसीलिटेशन सेन्टर पर ही सम्बन्धित कार्मिक के प्रपत्रों की जाँच कर नियमानुसार पोस्टल बैलेट उपलब्ध करा दिया जायेगा। सम्बन्धित कार्मिक द्वारा पोस्टल बैलेट प्राप्त करते हुए फैसीलिटेशन सेन्टर पर ही गोपनीय मतदान कर मत पेटिकाओं में अपना मत डालने की व्यवस्था की गयी है। ई०डी० सी० के माध्यम से मतदान करने वाले कार्मिकों को प्रपत्र – 12क के अनुसार उन्हें ई०डी० सी० सर्टिफिकेट प्राप्त कराया जायेगा, जिसके आधार पर वे मतदान के दिन अपनी तैनाती स्थल पर ही ई०वी०एम० से मतदान कर सकेंगे। इस सुविधा का लाभ निर्वाचन कार्य में लगे समस्त मतदान कार्मिक जो विधानसभा 256– फूलपुर के मतदता है, उपरोक्त अभिलेखों के साथ निर्धारित समयावधि में प्राप्त कर सकते हैं। कर्मचारियों से अनुरोध है कि अपने पहचान से सम्बन्धित भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित पहचान पत्र में से कोई एक पहचान पत्र मूलरूप से लेकर फैसीलिटेशन सेन्टर पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062